परिचय (Inroduction)

मदर टेरेसा एजुकेशल टªस्ट एक स्वंयसेवी और समाजसेवी संस्थान है। इसकी स्थापना उन शिक्षित जुझारू महिलाओं के समूह के द्वारा की गई है जो जीवन की कड़वी सच्चाइयों से लहूलुहान होकर अपनी सारी क्षमताओं और संसाधन को एकत्रित और संगठित कर उनलोगों को शिक्षित और सेवा करने में लगाने का निश्चय किया जो अक्सरहा जलालत, गरीबी और बेसहारापन की जिंदगी जीने के लिये अभिशप्त है और जिन्हें इसकी जरूरत है साथ में जो इसके सही हकदार है ।

लक्ष्य (A Mission)

साक्षरता, भाषा और साहित्य, पर्यावरण सुरक्षा, सेवा, राष्ट्ªीय एकता और अखंडता के विकास ।

आदर्श कार्य (A Motto)

सामान्य शिक्षा और रोजगारन्मुख तकनीकी शिक्षा विशेषकर कम्प्यूटर शिक्षा को शहरी और और ग्रामीण क्षेत्रों के सभी वर्ग, जाति, सम्प्रदाय के पुरूष और महिलाओं के अलावे अभिवंचित वर्ग के कार्यरत और अकार्यरत लोगों को शिक्षित करना, व्यक्तित्व विकास, जीवन स्तर में विकास के साथ रोजगारन्मुखी बनाकर आत्मनिर्भर बनाना ।

पर्यावरण के प्रति जागरूकता, सुरक्षा, संरक्षण और उपाय हेतु सार्थक प्रयास और कार्यान्वयन करना ।

विभिन्न भाषाओं और साहित्यों विशेषकर संस्कृत, हिन्दी, वज्जिका, मैथिली और भोजपुरी के विकास हेतु चतुर्दिक प्रयास करना ।

दर्शन (Philosophy)

यह संस्थान अपने स्थापना काल से ही महान समाजसेविका मदर टेरेसा के नाम, कार्य और उनके विचार के अनुरूप सर्व सेवा, सर्व-शिक्षा और सुलभ शिक्षा पर आधारित है ।

मूल मंत्र (Fundamental Concepts)

टªस्ट के प्रत्येक व्यक्ति को सर्वप्रथम यह मूलमंत्र दी जाती है कि समाजसेवा कोई नौकरी नहीं है । यह एक जुनून है, उत्साह के साथ समर्पण है, समाजिक सरोकारों की वेदी पर भोग विलास की आहुति है, संघर्षों को अपनाने की भीष्म प्रतिज्ञा, तपती धूप में नंगे पांव चलने का सुविचारित संकल्प है । इनसे तनिक भी विचलित होने का अर्थ होगा सेवाभाव का अपमान और कायरता से किया गया आत्म समर्पण ।